खुल गये ने मुक्दरा दे ताले

खुल गये ने मुक्दरा दे ताले जदों दा तेरा नाम ज्पेया,
बदल उड़े ने मुसीबता दे काले जदों दा तेरा नाम ज्पेया,

सुकियाँ ने वेला फिर हो गईया हरियां
भवर चोगाथ हेनी वेह्डीया ने तरियां,
औखे दिन माये होए ने सुखाले
जदों दा तेरा नाम ज्पेया,

रुकी होई गद्दी फिर चली कमा काज दी
सुधरी जिन्दगी माँ हर मोहताज दी,
सुख झोली पये रुख गये टाले,
जदों दा तेरा नाम ज्पेया,

जो सी दूरियां मसा होईया पुरिया
खंभ लाके उड़ गईया सबे मजबूरियां
जगह खुशी दे किया माँ निराले जदों दा तेरा नाम ज्पेया,

दुरो दलिजा तेरे दर दिया मलिया
दितियाँ जदो निर्दोष माँ तसलियाँ
भूल गए साहणु पैरी पई छाले
जदों दा तेरा नाम ज्पेया,

Source: https://www.bharattemples.com/khul-gaye-ne-mukadra-de-tale/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw